



धर्म माँम ने मेरा लंड चूसा

“दोस्तो, आप सभी को मेरा सादर प्रणाम. मेरा नाम प्रतीक है. मैं विदिशा का रहने वाला हूँ, मेरी हाइट कुछ 6 फुट के आस पास है. मैं एक अनाथ युवा हूँ. शारीरिक रूप से दिखने में औसत हूँ लेकिन आकर्षक हूँ. पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरे लंड का साइज कुछ बड़ा है.

इस सेक्स कहानी [...] ...”

Story By: प्रतीक विदिशा (prateekgoel)

Posted: Wednesday, May 25th, 2022

Categories: [माँ की चुदाई](#)

Online version: [धर्म माँम ने मेरा लंड चूसा](#)

धर्म माँम ने मेरा लंड चूसा

दोस्तो, आप सभी को मेरा सादर प्रणाम. मेरा नाम प्रतीक है. मैं विदिशा का रहने वाला हूँ, मेरी हाइट कुछ 6 फुट के आस पास है.

मैं एक अनाथ युवा हूँ. शारीरिक रूप से दिखने में औसत हूँ लेकिन आकर्षक हूँ. पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरे लंड का साइज कुछ बड़ा है.

इस सेक्स कहानी में जैसे तो कई किरदार हैं. लेकिन फिलहाल मैं आपको माया और प्रण का परिचय दे रहा हूँ. माया मेरी धर्म माँम हैं और वो मुझसे उम्र में 9 साल बड़ी हैं. प्रण मेरे डैड हैं. वो महीने में बीस दिन अपने व्यापार के काम से बाहर रहते हैं. बाकी प्रियंका मेरी धर्म बहन है.

प्रियंका, मेरे धर्म के माँम डैड प्रण और माया की एकलौती बेटी है.

एक बड़ी बहन सपना भी है, जो मेरे डैड प्रण और सोनिया से पैदा हुई थी. मतलब सोनिया का मेरे डैड प्रण से तलाक हो गया था और वो मेरे डैड से अलग रहने लगी थी.

पर सोनिया माँम मुझसे और सपना से मिलने हर पन्द्रह दिन में घर आती हैं.

उन्होंने ही मुझ अनाथ को कूड़े घर से उठा कर अपने घर में आसरा दिया था. मुझे किसी मां में लोक लाज के भय से जन्म देकर घूरे पर डाल दिया था.

सोनिया माँम ने मुझे उठा लिया था और अपना बेटा समझ कर पाला था.

यह बात गर्मी के मौसम की है. वो 15 मई का दिन था. मैं अपनी माँम को गुडनाईट बोल कर सोने चला गया.

मेरे बाद बाकी सब भी चले गए.

दूसरे दिन सुबह का वक़्त था.

माया माँम सबके कमरे में बारी बारी से गईं और सबको उठाने लगीं.

फिर वो मेरे रूम में आईं और मुझे देख कर एकदम से स्तब्ध हो गईं.

जैसे ही उन्होंने देखा कि मेरे पैट के पास कुछ गुलाबी गुलाबी सा दिख रहा है. ये देख कर वो डर गईं. उनको लगा कि रात को किसी कीड़े या मच्छर ने मुझको काट लिया है.

वो मेरे करीब आईं और ध्यान से देखने लगीं.

उन्हें पता चला कि वो गुलाबी गुलाबी जो था, वो उनके बेटे के लंड का सुपारा था.

मेरे लंड का गुलाबी कलर का मोटा सा सुपारा देख कर माँम के मुँह से पानी आने लगा.

उनकी दबी हुई कामवासना भड़क उठी.

दरअसल बात यह थी कि मेरे डैड प्रण, माया माँम को रोज नहीं चोद पाते थे. पैसे कमाने के चक्कर में वो महीने में 20 दिन बाहर ही रहते थे. इसलिए मेरी माया माँम की वासना शांत नहीं हो पाती थी.

माया माँम का मुँह मेरा मस्त लंड देख कर एकदम से खुला का खुला रह गया.

उनकी सांसें तेज होने लगीं और उनका बदन उनके कंट्रोल से बाहर होने लगा.

उनको पता भी नहीं चला कि कब वो अपनी चूत मसलते हुए मेरे लंड के बेहद करीब आ गईं.

फिर उन्हें अपने बेटे के लंड की खुशबू आई, जो उनको पागल बना दे रही थी.

एक मस्त मीठी सी खुशबू, जिसको सूंघने के बाद माया माँम की चूत में सनसनी फैल गयी. उनकी प्यासी चूत में आग लग गयी थी. उनकी चूत से पानी निकलने लगा था.

तभी मैंने अगड़ाई ली और शायद मेरी माया माँम को इसी का इन्तजार था.

जैसे ही मैंने करवट ली, मेरा लंड पैट से बाहर आ गया और आधे से अधिक लंड साफ़ दिखने लगा.

माया को अचानक ठंड और गर्मी एक साथ लगने लगी.

यह सब वासना की कसक और लंड की मादक खुशबू के कारण हुआ था.

उसको तो अहसास भी नहीं हुआ था कि वो कब अपनी चूत में उंगली करने लगी थी और उसको जोर जोर से रगड़ने लगी थीं.

अचानक से माया माँम के जिस्म ने एक हरकत की उसने मेरे लंड को पकड़ लिया.

लंड हाथ में लेते ही मेरी माया माँम का मुँह अपने आप खुल गया और वो आ करके बस लंड मुँह में लेने ही वाली थीं कि मेरी नींद खुल गयी.

अपना लंड पकड़े जाने से मैं जाग गया था और अपना लंड अपनी माँम के हाथ में देख कर एकदम से हतप्रभ था.

अपनी माँम को ऐसे लंड पकड़े हुए देख कर मैं घबरा गया था.

चूँकि सुबह का समय था तो मेरे जवान वय के कारण मेरा लंड भी उत्तेजित था.

जैसे ही मेरी नींद खुली, माया माँम को भी होश आ गया कि उन्होंने ये क्या किया.

वो शर्म से मारे पूरी लाल हो गई और हम दोनों चुप्पी साध कर बैठ गए.

अगले कुछ मिनट जब किसी ने कुछ नहीं कहा, तो माहौल में फर्क आया.

उस वक्त तक भी माया माँम मेरे लंड को हाथ से पकड़े हुई थीं.

उनके चेहरे की मासूमियत मुझे ऐसी लग रही थी कि वो कदाचित एक छोटी बच्ची हों, जिसको जिद के चलते कोई खिलौना चाहिए मतलब चाहिए ही हो.

मैंने अपने दिमाग को टंडा रखा और अंजान बनते हुए माया माँम को 'गुड मॉर्निंग माँम ...' करके विश किया.

तभी माया माँम ने भी 'गुड मॉर्निंग मेरा प्यारा बेटा ...' बोल कर विश किया.

मैं अपने लंड की तरफ देखा और कहा- माँम, यह आप क्या कर रही हो ?

माया माँम- बेटा, तुम अब बड़े हो गए हो, आज तुम्हारी लाइफ का उस तरह का सबसे महत्वपूर्ण दिन है, जैसे कि बर्थडे होता है.

मैं- माँम मैं कुछ समझा नहीं कि आप क्या बोल रही हो ?

माया माँम- बेटा इसको (लंड) देखो और बताओ इसको क्या बोलते हैं ?

मैं- इसको पेनिस या डिक बोलते हैं माँम, पर यह सब आप क्यों पूछ रही हो और आपने इसको पकड़ कर क्यों रखा है ?

अपनी माँम के सामने मैं भोला इसलिए बन रहा था क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि माँम की नजर में मैं हरामी बन जाऊँ या अपनी माँम की ममता को खो दूँ.

माया माँम- इसको हिन्दी में लंड बोलते हैं, एक औरत हो या लड़की, लंड दोनों की एक बड़ी जरूरत होती है, समझे ?

मैं- अच्छा, तो आपको इसकी जरूरत है ?

माया माँम- हाँ बेटा, मुझे इसकी जरूरत तो बहुत ज्यादा है, पर तुम सोनिया दीदी को बता दोगे, तो उनको बुरा लगेगा. आखिर हूँ मैं तो सौतेली माँ ही न ... तुम्हारे डैड भी बुरा मान

जाएंगे.

मैं- माँम, यदि आपको मेरे लंड की बहुत ज्यादा जरूरत है, तो आप जैसे बोलोगी, मैं वैसा ही करूंगा. मैं किसी को नहीं बताऊंगा कि आपको मेरे लंड की बहुत जरूरत है.

माया माँम चहकती हुई बोलीं- पक्का नहीं बोलोगे ... मैं जो बोलूँगी, वो करोगे ?

मैं- हां माँम आज आप मांग कर देख लो.

माया माँम- ठीक है, तुम पहले अपनी पूरी पैंट उतारो.

मैं- जैसा आप बोलें माँम.

मैंने एक झटके में अपना पैंट उतार दिया.

रात को मैं अंडरवियर पहन कर नहीं सोता हूँ तो मेरा लंड खुली हवा में फनफनाने लगा.

माया माँम- बाप रे.

माँम का मुँह खुला का खुला रह गया.

मेरा लंड पूरा खड़ा था. माया माँम अपने मन में अपने पति के लंड से, बेटे के लंड की तुलना कर रही थीं.

उन्होंने देखा कि उनके पति प्रण के लंड के सुपारे से मेरे लंड का सुपारा चार गुना मोटा है और लंड भी दुगना बड़ा है. लंड की मोटाई भी काफी ज्यादा है.

माया माँम- बेटा क्या मैं तुम्हारा लंड मुँह में लेकर चूस सकती हूँ ?

मैं- माँम ,आपकी जो जरूरत हो, आप वैसा कर लीजिए ... मैं आपको मना नहीं करूंगा.

इतना बोलते ही माँम ने झट से अपने मुँह के अन्दर मेरे लंड का सुपारा ले लिया और उसको जोर जोर से चूसने लगीं.

वो लंड को हल्का हल्का काटने भी लगीं और अपने मुँह के थूक से उसको रसीला करने लगीं. वो बार बार लंड के बाहर चूसतीं और फिर से पूरा लंड मुँह में लेकर चूसने लगतीं. वो एक पल के लिए भी लंड नहीं छोड़ रही थीं.

मेरा बदन झनझना रहा था और मस्त होने लगा था.

मैंने कई लड़कियों को चोदा था पर आज मेरी माँम मेरे लंड को सपर सपर करके चूस रही थीं तो मुझको कुछ ज्यादा ही अच्छा लग रहा था.

माया माँम कभी मेरे लंड के सुपारे को चूसतीं तो कभी अन्दर लेकर गले तक लंड को चूसने लगतीं. कभी मेरी माँम मेरे टट्टे चाट लेतीं, तो कभी उनको मुँह में लेकर चुसकने लगतीं.

मैं खुद भी काफी गर्म हो गया था और मुझे अपने सामने एक चुदासी चूत दिखाई दे रही थी.

मेरी माँम की सामने से खुलने वाली नाइटी के बटन खुले पड़े थे और मेरी माँम के मस्त मम्मे मुझे दीवाना बना रहे थे.

माँम ने अपनी चूत पर पैटी पहनी हुई थी.

मुझे उनके हिलते हुए मम्मे वासना से उत्तेजित कर रहे थे.

माँम ने मेरी नजरों का पीछा किया और अपने एक हाथ से मेरे एक हाथ को पकड़ कर अपने मम्मों पर रखवा दिया.

कुछ देर बाद माँम ने मेरा हाथ लेकर अपने मम्मों से रगड़ कर बोलीं- जोर जोर से दबाओ न मेरे मम्मों को.

एक तरफ माया माँम अपने बेटे का लंड को मस्ती से चपर चपर करके चूस रही थीं, लंड एकदम टाइट हो गया था और दूसरी तरफ वो मुझसे अपने दूध दबवा रही थीं.

यह सिलसिला कुछ 15 से 20 मिनट तक चला.

मैं माया माँम को बोला- माँम, अब रुक जाओ, मुझे सुसु लग रही है, मैं करके आता हूँ. बाद आप में फिर से चूस लेना.

माया माँम- बेटा, तुम टेंशन मत लो. मैं हूँ ना. तुमको कहीं जाने की जरूरत नहीं है. ये कह कर माया माँम और जोर जोर से लंड चूसने लगीं.
वो मेरे लंड को अपने हाथ से हिलाने भी लगीं.

तभी मैं अकड़ गया और मेरी माया माँम को अपने मुँह में जैली आती सी महसूस हुई.
वो पहले ही समझ गयी थीं कि मेरे लंड का रस निकलने वाला है ; वो लंड को दबा दबा कर चूसने लगीं.

मैं झड़ता गया और माँम अपने बेटे का लंड चूसती गई. उन्होंने मेरे लंड की एक बूंद भी नहीं छोड़ी.

खैर ... मुझको भी मालूम था कि मेरे लंड से क्या निकलने वाला है, पर मैं अपनी बदमाशी छुपाए रहा था.

लंड साफ़ करके माया माँम उठ गई.
फिर उन्होंने चादर से मेरे लंड को अच्छे से साफ़ कर दिया.

माया माँम- प्रतीक आज तुम्हें कैसा लगा ... पसंद आया कि मैंने तुम्हारे लिए ये किया ?
मैं- माँम आप तो कोई अप्सरा हो. मुझे इतना सुकून कभी नहीं मिला.

माया माँम- अभी तो मेरे पास और भी बहुत कुछ है मेरे प्यारे बेटे के लिए.
मैं- सच ... वो कब मिलेगा माँम ?

माया माँम- जितनी जल्दी तुम नहा कर नाश्ता कर लोगे और मेरा काम खत्म होगा, उतना जल्दी मिलेगा.

मैंने कहा- क्या मैं जान सकता हूँ कि मुझे क्या मिलेगा ?

माँम ने लंड सहलाते हुए कहा- इसे इसके लिए एक घर मिलेगा.

मैंने कहा- क्या वो घर मुझे देखने मिल सकता है ?

माँम मुस्कुरा दीं और बोलीं- हां जरूर दिखा तो दूंगी ... पर अभी मिलेगा नहीं.

मैंने कहा- दिखाओ.

माँम खड़ी हो गईं और उन्होंने अपनी नाइटी उतार दी. फिर पैंटी नीचे खिसका दी.

मेरे सामने मेरी माँम की साफ़ चूत नुमाया होने लगी थी.

मेरा लंड गुराने लगा.

माँम हंस दीं और मेरे लंड को मरोड़ कर बोलीं- अभी नहीं ... लंच के बाद जब तेरी दोनों बहनें घर से कॉलेज चली जाएंगी, तब तू मुझे चोद लेना.

मैं उठा और माँम को किस करके तुरंत नहाने चला गया.

दोस्तो आज यहीं तक. देखिए मैं बहुत अच्छा राइटर तो नहीं हूँ, पर कोशिश कर रहा हूँ कि आपको मजा दिन. यदि आपको लगता है कि मैं और अच्छा लिख सकता हूँ, तो आप प्लीज अपनी राय मुझे नीचे दिए गए किसी भी माध्यम से दें. मुझे अच्छा लगेगा.

मैं माँम के प्यार और ममता को उतनी अच्छी तरह से नहीं जानता हूँ. आप लोग मुझे उस प्यार का अहसास दिला सकें, तो बहुत आभारी रहूंगा.

धन्यवाद.

prateekgoeljs@gmail.com

Other stories you may be interested in

मामी को चोद चोदकर माँ बनाया

सेक्सी मामी चुदाई कहानी में पढ़ें कि मैंने अपने मामा के घर में मामी को उदासी देखा, समझ लिया कि वो मर्द के सुख से वंचित हैं। मैंने कैसे मामी की मदद की? मेरा नाम शुभम शर्मा है और मैं [...]

[Full Story >>>](#)

एक रात सलहज की चूत चोदने मिल गई

हॉट फॅमिली पोर्न स्टोरी में मैंने अपने साले की बीवी को चोदा. वो एकदम सुंदर माल है, मक्खन सी है. वो मुझसे खुली हुई थी. मेरा साला उसे ज्यादा नहीं चोद पाता था. दोस्तो, मेरा नाम साहिल है. मेरी पहली [...]

[Full Story >>>](#)

मसाज बाँय को मिला चूत का मजा

भाभी की फ्री पोर्न सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक आदमी ने मुझे अपनी बीवी की मालिश के लिए बुलाया. उसकी बीवी ब्रा पेंटी में मेरे और अपने पति के सामने लेट गयी. दोस्तो, मैं आप का अपना राहुल एक [...]

[Full Story >>>](#)

हॉट गर्लफ्रेंड की सीलतोड़ चुदाई का मजा

देसी गर्ल पोर्न स्टोरी हिंदी में मैंने बताया है कि कैसे मैंने अपनी क्लास में नई आयी लड़की से दोस्ती करके उसे प्रोपोज किया. फिर मौका पाकर उसकी बुर को फाड़ा. दोस्तो, मेरा नाम प्रशांत शुक्ला है और मैं बिहार [...]

[Full Story >>>](#)

बुआ की बेटि को खुली छूत पर चोदा

कजिन सिस्टर सेक्स कहानी मेरी बुआ की लड़की की चूत मारने की है। वो हमारे घर आई। रात में सोते हुए उसने मेरी छाती पर हाथ रख दिया और मेरा लंड खड़ा हो गया। दोस्तो, मेरा नाम दयानन्द है। मैं [...]

[Full Story >>>](#)

